|| श्री रघुवर जी की आरती ||

आरती कीजै श्री रघुवर जी की,

सत चित आनन्द शिव सुन्दर की ||

दशरथ तनय कौशल्या नन्दन,

सुर मुनि रक्षक दैत्य निकन्दन ||

अनुगत भक्त भक्त उर चन्दन,

मर्यादा पुरुषोत्तम वर की ||

निर्गुण सगुण अनूप रूप निधि,

सकल लोक वन्दित विभिन्न विधि ||

हरण शोक-भय दायक नव निधि,

माया रहित दिव्य नर वर की ||

जानकी पति सुर अधिपति जगपति,

अखिल लोक पालक त्रिलोक गति ||

विश्व वन्द्य अवन्ह अमित गति,

एक मात्र गति सचराचर की ||

शरणागत वत्सल व्रतधारी,

भक्त कल्प तरुवर असुरारी ||

नाम लेत जग पावनकारी,

वानर सखा दीन दुख हर की ||

आरती कीजै श्री रघुवर जी की,

सत चित आनन्द शिव सुन्दर की ||